RAIDER

A NATURAL GRUB CONTROL

रेडर" एक जैविक ग्रब नियंत्रण है जिसमें एंटोमोपैथोजेनिक नेमाटोड होते हैं। ये एंटोमोपैथोजेनिक नेमाटोड कीट कीटों को नियंत्रित करने के लिए उत्कृष्ट बायोकंट्रोल एजेंट हैं। रेडर में हेटेरोरैबडाइटिस इंडिका का ईपीएन स्ट्रेन होता है। यह उत्पाद अक्सर उपयोग किए जाने वाले रासायनिक आदानों की विषाक्त श्रेणी का एक सुरक्षित विकल्प है।

यह तकनीक भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद - गन्ना प्रजनन संस्थान द्वारा विकसित की गई है और देश भर में इसके अनुसंधान केंद्रों और कृषि क्षेत्रों में इसका परीक्षण किया गया है।

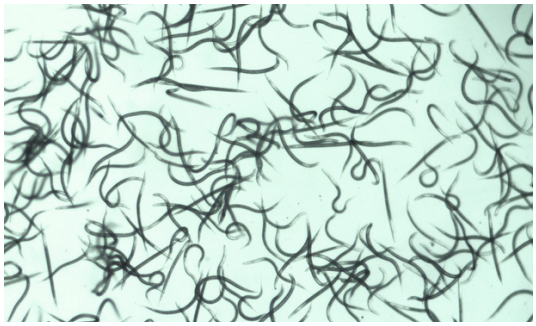

प्रमुख विशेषताऐं

• रेडर गैर-लक्षित जीवों के लिए सुरक्षित है और मिट्टी और पर्यावरण के लिए गैर विषैले है।
• यह सफेद ग्रब से होने वाले नुकसान को कम करता है।
• यह मनुष्यों और केंचुओं के लिए गैर-खतरनाक है।
• यह 48 - 96 घंटों के भीतर सफेद ग्रब को मारता है और सफेद ग्रब की आबादी को कम करता है।
रेडर अन्य कृषि रसायनों के प्रति सहिष्णु है।

अनुशंसित फसलें:

गन्ना, मूंगफली, बैंगन, केला, आलू, इलायची, चाय, सुपारी, अदरक, मिर्च, भिंडी, टर्फ घास और वन नर्सरी।

क्षेत्र आवेदन:

रेडर फॉर्म्युलेशन को पानी के साथ मिलाएं और इसे नैपसेक स्प्रेयर का उपयोग करके भीग सकते हैं।
या
रेडर फॉर्मूलेशन को मिट्टी या एफवाईएम के साथ अच्छी तरह मिलाएं और खेत में प्रसारित करें।

मात्रा बनाने की विधि

• 2 किग्रा रेडर प्रति एकड़ खेत में।
रोकथाम के लिए : 2-3 किलो प्रति एकड़ का प्रयोग करें।
मध्यम संक्रमण: 4 किलो प्रति एकड़।
ग्रब की अधिक जनसंख्या: 5 किग्रा या अधिक प्रति एकड़।

तकनीकी स्रोत

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद - भारतीय गन्ना प्रजनन संस्थान

Biovigyan Agritec PRIVATE LIMITED

Biovigyan Agritec Private Limited
6/296 Vinayagar Nagar, Sankar Nagar
Tirunelveli - 627357
+91 8682833172
biovigyan.ag@gmail.com